



भारत का गज़त

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ९]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी ७, १९८५/पौष १७, १९०५

No. 9]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 7, 1985/PAUSA 17, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, ७ जनवरी, १९८४

का०आ० ९(अ):—केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि
चाय के, जो एक आवश्यक वस्तु है, प्रश्य को बनाए रखने
के लिए और उसका साम्प्रार्थ्य वितरण सुनिश्चित करने के
लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार आवश्यक वस्तु अधिनियम,
1955 (1955 का 10) की धारा ३ द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश करते हैं, अर्थात्:

१. संबिल्प नाम और प्रारंभ :—(१) इन आदेश का
संबिल्प नाम चाय (व्यवहारियों का रजिस्ट्रीकरण और स्थाकों
की घोषणा) आदेश, १९८३ है।

(२) यह नुस्खा प्रवृत्त होगा।

२. परिभाषा एं :—इस आदेश में, जब तर कि संदर्भ
से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) ‘कमीशन अभिकर्ता’ से ऐसा कमीशन अभिकर्ता
अभिषेत है जिसे ऐसे अभिकर्ता के रूप में कारबाह
के रूपिक अनुक्रम में चाय बेचने का या

चाय बेचने के प्रयोजनों के लिए चाय को परेषित
करने का, या चाय खरोदों का प्राधिकार प्राप्त
है;

(ख) “व्यवहारो” से चाय का व्यवहारो अभिषेत है
और इसके अंतर्गत दनाल, कमोशन अभिकर्ता
विनिर्माता और गोदाम रक्षक भी हैं;

(ग) ‘राज्य आदेश’ से आवश्यक वस्तु अधिनियम,
1955 (1955 का 10) के उपबंधों के अंतीन
किसी राज्य सरकार या संघ राज्य लेवे प्रगतिशील
द्वारा चाय के रंबंद में जारी किया गया और
तत्सम्बन्ध प्रवृत्त आदेश अभिषेत है;

(घ) ‘वार’ से क्रेनिया लाइनिया (एच) ओ
कून्तजे नामक पौध, और साथ ही उक्त पौधे
का निर्दिशी उत्तर उत्तराद नाम, जो वाणिज्य जगत
में चाय के नाम से, जिसके अन्तर्गत हरी चाय भी
है, त्रात है, सभा निर्देश अभिषेत हैं;

(ङ) ‘गोदाम रक्षा’ से ऐसा वर्किन अभिषेत है जिसके
संग्रहित में ऐसा कोई गोदाम हो या ऐसा कोई
गोदाम बाए रखता हो जहाँ नोनाम द्वारा
अथवा अन्य त्रितीय से विको के त्रयोजनार्थ चाय
का मण्डारण निर्धारण जाता है;

(c) व्रातों प्रवृत्ति किन्तु अपरिभिर्पित फलदों और पद्मों के बहुत अर्थ होंगे जो उन्हें व्रातः चाय अधिनियम, 1953 (1953 ला 29) में दिए गए हैं।

3. व्यावहारियों का रजिस्ट्रीकरण—किसी राज्य आदेश में किसी वस्तु के होने इए भी, इस आदेश के प्रवृत्ति होने से 30 दिन की अवधि का अवशाल लाने के पश्चात कोई अनियन्त्रित, यदि उसके काढ़े में चाय का 1000 किलोग्राम से अधिक स्टॉक हो तो, व्यावहारी के स्पष्ट में तब तक कोई काल्ड्वार नहीं करेगा जब तक कि वह राज्य आदेश के उपबंधों के अनुसार इस स्पष्ट में रजिस्ट्रीकृत न हो।

4. वितरणियों, ब्र-येक व्यावहारी ऐसे पार्षिकारों को, जिसे राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस लिमिटेड राज्य गवर्नरें विनियोजित करें, अपने द्वारा रखी गई चाय के उत्तरे स्टॉक को, जितना 1000 किलोग्राम में अधिक हो, एक पार्शिक विवरणी देगा।

5. राज्य आदेशों का नाम होना—राज्य आदेशों के उपबंध परे किसी नाम को बावर नाम होंगे जिसके लिए इस आदेश में विनियोजित ता कोई भी उपबंध नहीं किया गया है।

6. नियन्त्रण तथा व्यापारि—(1) चाय (व्यावहारियों का रजिस्ट्रीकरण और स्टॉकों ही धोषणा) आदेश, 1983 का एतद्वारा नियन्त्रण किया जाता है।

(2) परन्तु चाय (व्यावहारियों का रजिस्ट्रीकरण और स्टॉकों को धोषणा) आदेश, 1983 के अन्तर्गत जारी किया गया काई भी आदेश वा को गई कोई भी कार्यवाली इस आदेश के उपबंधों के अन्तर्गत जारी किया गया वा की गई समझी जाएगी।

[फा०स० शी-11015(4)/83-नाट (अ)]
जै०के बागबां, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE
(Department of Commerce)

ORDER

New Delhi, the 7th January, 1984

S.O. 9(E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies of tea, an essential commodity, and for securing its equitable distribution;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) the Central Government hereby makes the following Order, namely:

1. Short title and commencement.—(1) This Order may be called the Tea (Registration of Dealers and Declaration of Stocks) Order, 1984.

(2) It shall come into force at once.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires;

- (a) "commission agent" means a commission agent having in the customary course of business as such agent authority either to sell tea, or to consign tea for the purpose of sale or to buy tea;
- (b) "dealer" means a dealer in tea, and includes a broker, commission agent, manufacturer and a warehouse keeper;
- (c) "State Order" means any Order issued by any State Government or Union Territory Administration under the provisions of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), in relation to tea and in force for the time being;
- (d) "tea" means the plant *Camellia Sinensis(L.) O. Kuntze* as well as all varieties of the product known commercially as tea made from leaves of the said plant, including green tea;
- (e) "warehouse keeper" means a person who owns or maintains a warehouse wherein tea is stored for the purposes of sale either by auction or otherwise;
- (f) words and expressions, used but not defined herein shall have the meanings respectively assigned to them in the Tea Act, 1953 (29 of 1953).

3. Registration of dealers.—Notwithstanding anything contained in any State Order, after the expiration of a period of 30 days from the coming into force of this Order, no person shall, if the stocks of tea in his possession exceed 1,000 kilograms, carry on business as a dealer unless he is registered as such in accordance with the provisions of a State Order.

4. Returns.—Every dealer shall furnish fortnightly returns to such authority as may be specified by the State Governments in this behalf by notification in the Official Gazette in respect of such stocks of tea held by him as are in excess of 1,000 kilograms.

5. State Orders to apply.—The provisions of the State Orders shall apply in respect of any matter for which no provision has been specifically made in this Order.

6. Repeal and Saving.—(1) The Tea (Registration of Dealers and Declaration of Stocks) Order, 1983, is hereby repealed.

(2) Provided that any Order issued and any action taken under the Tea (Registration of Dealers and Declaration of Stocks) Order, 1983 shall be deemed to have been issued or taken under the provisions of this Order.

[File No. B-11015(4)/83-Plant(A)]

J. K. BAGCHI, Lt. Secy.